



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W4CZ74465	ImageGroup:	I4CZ74467
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	སྐར་རྩིས་ཀྱི་བསྟན་བཅོས། skar rtsis kyi bstan bcos/
Author:	to-be-supplied to-be-supplied
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a
Place:	n/a
Publisher:	n/a
Date:	n/a
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Avenue, Cambridge, MA 02138 US.

卷之四

72

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥
 अर्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दूतमवासी हस्ते ॥
 ध्यायन्मम हृदि ॥
 तदा मुनिर्ब्रवीत् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अध्यायः प्रथमः ॥
 अर्जुनसंवादे ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भागवतसूक्तम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीमद्भगवद्गीता
 अर्जुनसंवादे
 अर्जुन उवाच
 ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सुखं ह्यस्य भवति ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सुखं ह्यस्य भवति ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

॥ २० ॥ । अथर्वि । अथर्वि । अथर्वि । अथर्वि । अथर्वि । अथर्वि । अथर्वि । अथर्वि ।

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ १ ॥
सर्वत्र भगवत्पदं सर्वदा भवति । ॥ २ ॥
सर्वत्र भगवत्पदं सर्वदा भवति । ॥ ३ ॥
सर्वत्र भगवत्पदं सर्वदा भवति । ॥ ४ ॥
सर्वत्र भगवत्पदं सर्वदा भवति । ॥ ५ ॥
सर्वत्र भगवत्पदं सर्वदा भवति । ॥ ६ ॥
सर्वत्र भगवत्पदं सर्वदा भवति । ॥ ७ ॥
सर्वत्र भगवत्पदं सर्वदा भवति । ॥ ८ ॥
सर्वत्र भगवत्पदं सर्वदा भवति । ॥ ९ ॥
सर्वत्र भगवत्पदं सर्वदा भवति । ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

三
 一
 一
 一
 一
 一
 一

[illegible]

[illegible]

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥
 अध्यायः प्रथमः ॥
 अर्जुनसंवादे ॥
 अर्जुन उवाच ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
श्री कृष्णाय नमः
॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
श्रीकृष्णाय नमः
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
श्रीकृष्णाय नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीमद्भगवद्गीता
 अर्जुनसंवादे
 अर्जुन उवाच
 द्रुपद उवाच
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः
 मामकाः पाण्डवाश्चैव
 तस्यैव कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः
 मामकाः पाण्डवाश्चैव
 तस्यैव कुरुक्षेत्रे

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥
 अध्याय १० ॥
 अर्जुनस्य
 वचनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
नमः सदा मुनिभ्यः
नमः सदा मुनिभ्यः
नमः सदा मुनिभ्यः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and illegible due to extreme blurring and noise.]

[The following text is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

卷之五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
अर्जुन ॥ अथ कुरुक्षेत्रे युद्धं भवति ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

五言古詩

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव तस्यैव कुरुक्षेत्रे ॥ समवेता युयुत्सवाः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव तस्यैव कुरुक्षेत्रे ॥ समवेता युयुत्सवाः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव तस्यैव कुरुक्षेत्रे ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

卷之四

卷之五
 五十五
 五十六
 五十七
 五十八
 五十九
 六十
 六十一
 六十二
 六十三
 六十四
 六十五
 六十六
 六十七
 六十八
 六十九
 七十
 七十一
 七十二
 七十三
 七十四
 七十五
 七十六
 七十七
 七十八
 七十九
 八十
 八十一
 八十二
 八十三
 八十四
 八十五
 八十六
 八十七
 八十八
 八十九
 九十
 九十一
 九十二
 九十三
 九十四
 九十五
 九十六
 九十七
 九十八
 九十九
 一百

[Faint bleed-through from reverse side]

卷之八
 八

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四 詩經

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥

[Faint, illegible handwritten or stamped text at the bottom of the page.]

卷之四

卷之九
 九

卷之五

卷之四

[illegible]

२०। ॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥
॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥
॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥
॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥
॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥
॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥
॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥
॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥



ཆེས་མཁོ་བའི་ལྟ་སྟངས་ཀྱི་མཛུགས་
པ་དང་། བརྟེན་པའི་མཛུགས་
པ་ལས་ལྟ་སྟངས་ཀྱི་མཛུགས་
པ་ལས་ལྟ་སྟངས་ཀྱི་མཛུགས་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
श्री कृष्णाय नमः
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

दत्तकपुत्रोदयस्तोत्रम्
 अथैवमस्मात्प्रसूतं
 पुत्रं कुरुते नरः सदा
 यथासाधनं पूजयेत्तदा
 पुत्रोद्भवेत्तदा पुत्रोद्भवः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः
 बुद्धिं प्रदीपयन्ति विदुः प्रदीपयन्ति
 शिवः प्रदीपयन्ति
 नमो भगवते वासुदेवाय नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीमद्भगवद्गीता
 अर्जुनसंवादे
 अर्जुन उवाच
 ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

ॐ

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 श्रीगुरुभक्त्युत्तमम् ॥
 श्रीगुरुभक्त्युत्तमम् ॥

[illegible]

[illegible]

गङ्गा नदी नदी	वाराणसी नदी	शिव गंगा नदी	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी
गङ्गा नदी नदी	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी
गङ्गा नदी नदी	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी
	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी
गङ्गा नदी नदी	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी
गङ्गा नदी नदी	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी
गङ्गा नदी नदी	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी
गङ्गा नदी नदी	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी	गङ्गा नदी

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीमद्भगवद्गीता

महाराज	कृष्ण	अर्जुन	कृष्ण	अर्जुन	कृष्ण
महाराज	कृष्ण	अर्जुन	कृष्ण	अर्जुन	कृष्ण
महाराज	कृष्ण	अर्जुन	कृष्ण	अर्जुन	कृष्ण
महाराज	कृष्ण	अर्जुन	कृष्ण	अर्जुन	कृष्ण
महाराज	कृष्ण	अर्जुन	कृष्ण	अर्जुन	कृष्ण
महाराज	कृष्ण	अर्जुन	कृष्ण	अर्जुन	कृष्ण
महाराज	कृष्ण	अर्जुन	कृष्ण	अर्जुन	कृष्ण
महाराज	कृष्ण	अर्जुन	कृष्ण	अर्जुन	कृष्ण
महाराज	कृष्ण	अर्जुन	कृष्ण	अर्जुन	कृष्ण

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense, handwritten text in a cursive script, likely Indic or Persian. The text is arranged in horizontal lines across the page. Due to the low resolution and age of the document, the specific characters are difficult to decipher.]

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

卷之四

一、
二、
三、
四、
五、
六、
七、
八、
九、
十、

[illegible]

卷之五

卷之四

卷之八

卷之四
 四庫全書

卷之五

卷之六
 六

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

卷之四

一	二	三	四	五	六	七	八
九	十	十一	十二	十三	十四	十五	十六
十七	十八	十九	二十	二十一	二十二	二十三	二十四
二十五	二十六	二十七	二十八	二十九	三十	三十一	三十二
三十三	三十四	三十五	三十六	三十七	三十八	三十九	四十
四十一	四十二	四十三	四十四	四十五	四十六	四十七	四十八
四十九	五十	五十一	五十二	五十三	五十四	五十五	五十六
五十七	五十八	五十九	六十	六十一	六十二	六十三	六十四
六十五	六十六	六十七	六十八	六十九	七十	七十一	七十二
七十三	七十四	七十五	七十六	七十七	七十八	七十九	八十
八十一	八十二	八十三	八十四	八十五	八十六	八十七	八十八
八十九	九十	九十一	九十二	九十三	九十四	九十五	九十六
九十七	九十八	九十九	一百	一百一	一百二	一百三	一百四
一百五	一百六	一百七	一百八	一百九	二百	二百一	二百二
二百三	二百四	二百五	二百六	二百七	二百八	二百九	三百
三百一	三百二	三百三	三百四	三百五	三百六	三百七	三百八
三百九	四百	四百一	四百二	四百三	四百四	四百五	四百六
四百七	四百八	四百九	五百	五百一	五百二	五百三	五百四
五百五	五百六	五百七	五百八	五百九	六百	六百一	六百二
六百三	六百四	六百五	六百六	六百七	六百八	六百九	七百
七百一	七百二	七百三	七百四	七百五	七百六	七百七	七百八
七百九	七百一十	七百一十一	七百一十二	七百一十三	七百一十四	七百一十五	七百一十六
七百一十七	七百一十八	七百一十九	七百二十	七百二十一	七百二十二	七百二十三	七百二十四
七百二十五	七百二十六	七百二十七	七百二十八	七百二十九	七百三十	七百三十一	七百三十二
七百三十三	七百三十四	七百三十五	七百三十六	七百三十七	七百三十八	七百三十九	七百四十
七百四十一	七百四十二	七百四十三	七百四十四	七百四十五	七百四十六	七百四十七	七百四十八
七百四十九	七百五十	七百五十一	七百五十二	七百五十三	七百五十四	七百五十五	七百五十六
七百五十七	七百五十八	七百五十九	七百六十	七百六十一	七百六十二	七百六十三	七百六十四
七百六十五	七百六十六	七百六十七	七百六十八	七百六十九	七百七十	七百七十一	七百七十二
七百七十三	七百七十四	七百七十五	七百七十六	七百七十七	七百七十八	七百七十九	七百八十
七百八十一	七百八十二	七百八十三	七百八十四	七百八十五	七百八十六	七百八十七	七百八十八
七百八十九	七百九十	七百九十一	七百九十二	七百九十三	七百九十四	七百九十五	七百九十六
七百九十七	七百九十八	七百九十九	八百	八百一	八百二	八百三	八百四
八百五	八百六	八百七	八百八	八百九	九百	九百一	九百二
九百三	九百四	九百五	九百六	九百七	九百八	九百九	一千

[illegible]

[illegible]

मङ्गलम्	शुभम्	अशुभम्	२७	शुभम्	अशुभम्	शुभम्	अशुभम्	शुभम्
शुभम्	अशुभम्	शुभम्	२८	शुभम्	अशुभम्	शुभम्	अशुभम्	शुभम्
शुभम्	अशुभम्	शुभम्	२९	शुभम्	अशुभम्	शुभम्	अशुभम्	शुभम्
शुभम्	अशुभम्	शुभम्	३०	शुभम्	अशुभम्	शुभम्	अशुभम्	शुभम्
शुभम्	अशुभम्	शुभम्	३१	शुभम्	अशुभम्	शुभम्	अशुभम्	शुभम्
शुभम्	अशुभम्	शुभम्	३२	शुभम्	अशुभम्	शुभम्	अशुभम्	शुभम्

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

五言古詩

सक विष्णुदेव

卷之四

五言古詩

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

[illegible]

卷之四

...

[illegible]

卷之七

卷之五
 五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

卷之五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

卷之四

卷之六

4075 11/10/55

卷之十

अथ विष्णुसहस्रनाम

不列國之

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्चनम् ॥

五十七

五言古詩

卷之五



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीमद्भगवद्गीता
 अर्जुनसंवादे
 अध्यायः प्रथमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥
 अर्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवा
 मामका पांडवाश्चैव
 तस्यैव कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवा
 मामका पांडवाश्चैव
 तस्यैव कुरुक्षेत्रे

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीमद्भगवद्गीता
 अर्जुनसंवादे
 अथ श्रीकृष्ण उवाच
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो

ཐོས་པའི་ཕྱི་ལོ་ལྟ་བུ་སྤྱི་ལོ་
ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་
ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་

Handwritten text in Devanagari script, likely a title or heading, appearing as "संस्कृत-विद्यापीठ-मुद्रा".

[illegible]

三

— 221 —

1750

॥ श्रीगुरुदेव नमः ॥

2

20351

512545194750149105741

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्

五

[illegible]

॥ अथ श्रीगणेशस्तोत्रम् ॥

1845

卷之五

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1497

ཕྱག་འདེད་བཀའ་རྒྱུ་ལོ།

[illegible]

पञ्चमः

५००१०॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཕུ་རྒྱལ་པོ་ལོ་ལོ་ལོ་ལོ་

公孫氏

ཡུལ་འཛིན་པ་ལྟར་འཛིན་པ་ལྟར་

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ दशमस्कन्धः ॥ अष्टमोऽध्यायः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ दशमस्कन्धः ॥ अष्टमोऽध्यायः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ दशमस्कन्धः ॥ अष्टमोऽध्यायः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ दशमस्कन्धः ॥ अष्टमोऽध्यायः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ दशमस्कन्धः ॥ अष्टमोऽध्यायः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ दशमस्कन्धः ॥ अष्टमोऽध्यायः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ दशमस्कन्धः ॥ अष्टमोऽध्यायः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ दशमस्कन्धः ॥ अष्टमोऽध्यायः ॥

[illegible]

[illegible]

卷之五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200.

卷之四

卷之四
 詩經
 卷之五
 楚辭

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥
 श्रीगुरुदेव उवाच ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय

10

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दूतं त्वं प्रह्लादं मे भक्तं
 पश्यन्मां प्रह्लाद उवाच ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ॐ । विष्णुश्चैव देवदेवता उक्तं यथा । - दत्तश्चैव देवदेवता
सर्वेश्वरश्चैव देवदेवता । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच । अहं ब्रह्मा स्मिन्महेश्वरः ।
विष्णुश्चैव देवदेवता । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच । अहं ब्रह्मा स्मिन्महेश्वरः ।
विष्णुश्चैव देवदेवता । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच । अहं ब्रह्मा स्मिन्महेश्वरः ।
विष्णुश्चैव देवदेवता । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच । अहं ब्रह्मा स्मिन्महेश्वरः ।
विष्णुश्चैव देवदेवता । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥

[illegible]

卷之四

二

51



五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

321

一五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五
六
七
八
九
十

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्चनम् ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभक्त्युत्तमम् ॥ ३ ॥
 श्रीगुरुभक्त्युत्तमम् ॥ ४ ॥
 श्रीगुरुभक्त्युत्तमम् ॥ ५ ॥
 श्रीगुरुभक्त्युत्तमम् ॥ ६ ॥
 श्रीगुरुभक्त्युत्तमम् ॥ ७ ॥
 श्रीगुरुभक्त्युत्तमम् ॥ ८ ॥
 श्रीगुरुभक्त्युत्तमम् ॥ ९ ॥
 श्रीगुरुभक्त्युत्तमम् ॥ १० ॥

卷之五
 五言古詩
 五言律詩
 五言絕句
 五言排律

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
नमः शिवाय नमः शिवाय
नमः शिवाय नमः शिवाय
नमः शिवाय नमः शिवाय

मन्त्रपुत्रादयः पुत्र
विद्वत्तया विष्णुसूक्तं
॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीमद्भगवद्गीता
 अर्जुनसंवादे
 अर्जुन उवाच
 द्रुपद उवाच
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः
 मामकाः पाण्डवाश्चैव
 तस्यैव कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः
 मामकाः पाण्डवाश्चैव
 तस्यैव कुरुक्षेत्रे

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥
 अध्यायः प्रथमः ॥
 अर्जुनसंवादे ॥

卷之五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
अभ्युत्थानां मामका पандаवान् । तस्मात्तु युद्धमक्रुशं प्रवर्तते ॥

卷之四

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 पद्मे नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 कृष्णाय नमः
 श्रीकृष्णाय नमः
 श्रीकृष्णाय नमः
 श्रीकृष्णाय नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥
 अर्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दूतमवासी ह्यहं ॥

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥
धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥
अहं हि पाण्डवाः स्वर्गद्वारं प्रोक्ष्मामहे ॥ पाण्डवस्यैव तस्यैव तस्यैव तस्यैव ॥
अहं हि पाण्डवाः स्वर्गद्वारं प्रोक्ष्मामहे ॥ पाण्डवस्यैव तस्यैव तस्यैव तस्यैव ॥
अहं हि पाण्डवाः स्वर्गद्वारं प्रोक्ष्मामहे ॥ पाण्डवस्यैव तस्यैव तस्यैव तस्यैव ॥
अहं हि पाण्डवाः स्वर्गद्वारं प्रोक्ष्मामहे ॥ पाण्डवस्यैव तस्यैव तस्यैव तस्यैव ॥
अहं हि पाण्डवाः स्वर्गद्वारं प्रोक्ष्मामहे ॥ पाण्डवस्यैव तस्यैव तस्यैव तस्यैव ॥
अहं हि पाण्डवाः स्वर्गद्वारं प्रोक्ष्मामहे ॥ पाण्डवस्यैव तस्यैव तस्यैव तस्यैव ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ३ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ४ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १० ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ११ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १२ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १३ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १४ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २० ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २१ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २२ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २३ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २४ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ३० ॥

[illegible]

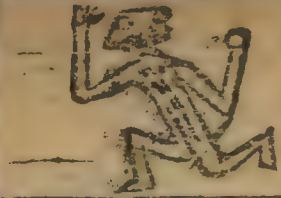
[illegible]

學文閣

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 दक्षिणायामः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीपद्मविभक्तिकृतसुप्रसन्नप्रणम
 दत्तस्य ॐ नमो ॥
 रक्तं चंद्र

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥
 अर्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥
 अहं हि परमो भक्तः किमिच्छामि धनं वा ॥
 राज्यं वा तपश्च वा किमर्हामि मायात्मज ॥
 सर्वं त्यज्यते भवभोगोऽयं कुरुधामन्यु ॥
 तस्य त्वांश्चैव तस्य त्वांश्चैव तस्य त्वांश्चैव ॥
 तस्य त्वांश्चैव तस्य त्वांश्चैव तस्य त्वांश्चैव ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥
 अर्जुनस्य वचनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ ह्रीं श्रीं नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीगणेशाय नमः
 श्रीगणेशाय नमः
 श्रीगणेशाय नमः
 श्रीगणेशाय नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीमद्भगवद्गीता
 अर्जुनसंवादे
 अर्जुन उवाच
 द्रुपद उवाच
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः
 मामकाः पाण्डवाश्चैव
 किमकुर्वत सज्जनाः
 भविस्यद्भविष्यत्
 कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः
 मामकाः पाण्डवाश्चैव
 किमकुर्वत सज्जनाः
 भविस्यद्भविष्यत्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीमद्भगवद्गीता
 अर्जुनसंवादे
 अथ श्रीकृष्ण उवाच
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवा-
 दः । अर्जुन उवाच । पाशेभ्यः शरीरमुत्तारयन्
 त्वं धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि सैन्यनिबन्धनम् ।
 द्रुपदभीमार्जुनसमो द्रुपदः पाण्डवस्य च । शैब्यस्तथा भीमार्जुनसङ्घातके ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि सैन्यनिबन्धनम् ।
 द्रुपदभीमार्जुनसमो द्रुपदः पाण्डवस्य च । शैब्यस्तथा भीमार्जुनसङ्घातके ।

[illegible]

1501

卷之五

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

卷之四

[illegible][illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

卷之四 詩經

[illegible]

RECEIVED

Fraser

[illegible]

1892

1875

[Faint bleed-through from the reverse side of the page]

615

[illegible]

201

[illegible]

不問其言。而後知其意。

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

— ११ —

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥
 अध्याय १० ॥
 अर्जुनस्यवाक्यं ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥
 द्रुपद उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः पांडवश्च दुर्जनस्य
 विराटश्च ॥

[illegible]

[illegible]

卷之四

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
 द्रुपद उवाच ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ।
 मामका पांडवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ।
 बाहो बलवान्द्रुपद प्रह्लाद उवाच ।
 त्वया प्रदीप्तं स्वर्गं प्राप्नुयान्नमस्कृत्य ।
 यत्किञ्चिच्छ्रेयसाय नमस्कृत्य वा हि ।
 खड्गमुखाय नमः पद्मे पादयोधिन्यजे ।
 शङ्खचक्रगदासूत्रं च मूर्धनि हनुमद ।
 वीर्यशालिनाय नमः सर्वपापहृते ।
 धर्मराजाय नमः शशिभक्तियुगे ।
 अथ द्रुपद उवाच ।
 गच्छाति कुरुक्षेत्रं समवेता युयुतसः ।
 प्राज्ञं पुंसां केशवामृतमवधारितम् ।
 सौमित्रं विप्रं विदुषां परमविराट् ।
 महाबलं महावीर्यं तत्र स्थित इवहा ।

[illegible]

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[The image shows a page from an ancient manuscript with text written in a cuneiform script, likely Sumerian or Akkadian. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. Due to significant fading and wear, the specific characters are largely illegible. The script appears to be a form of cuneiform used in Mesopotamian languages.]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四
四
八

一
二
三
四
五
六
七
八
九
十
十一
十二
十三
十四
十五
十六
十七
十八
十九
二十
二十一
二十二
二十三
二十四
二十五
二十六
二十七
二十八
二十九
三十
三十一
三十二
三十三
三十四
三十五
三十六
三十七
三十八
三十九
四十
四十一
四十二
四十三
四十四
四十五
四十六
四十七
四十八
四十九
五十
五十一
五十二
五十三
五十四
五十五
五十六
五十七
五十八
五十九
六十
六十一
六十二
六十三
六十四
六十五
六十六
六十七
六十八
六十九
七十
七十一
七十二
七十三
七十四
七十五
七十六
七十七
七十八
七十九
八十
八十一
八十二
八十三
八十四
八十五
八十六
八十七
八十八
八十九
九十
九十一
九十二
九十三
九十四
九十五
九十六
九十七
九十八
九十九
一百

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥
 अर्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥
 अर्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो नमो नमो नमो
 नमो नमो नमो नमो
 नमो नमो नमो नमो

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥
 अर्जुनसंवादे ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अर्जुन उवाच ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in the left margin, likely a commentary or index, written in Devanagari script.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । विष्णोर्ब्रह्मण्येवमव्ययं ।
कर्मणो भवत्युत्तमं । नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । विष्णोर्ब्रह्मण्येवमव्ययं ।
कर्मणो भवत्युत्तमं । नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । विष्णोर्ब्रह्मण्येवमव्ययं ।
कर्मणो भवत्युत्तमं । नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । विष्णोर्ब्रह्मण्येवमव्ययं ।
कर्मणो भवत्युत्तमं । नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । विष्णोर्ब्रह्मण्येवमव्ययं ।
कर्मणो भवत्युत्तमं । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीमद्भगवद्गीता
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवा
 दः ॥

མ་སྐྱོད་སྤྲིན་པ་བྱང་བ་
ཡུལ་འཛུགས་ ཡུལ་འཛུགས་
རྒྱལ་བྱང་ཟེར་ཕུང་སྤྲིན་པ་
ཆེ་ཆེ་བ་ སྐྱོད་པ་སྤྲིན་པ་
ཆེ་ཆེ་བ་ སྐྱོད་པ་སྤྲིན་པ་

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीमद्भगवद्गीता
 अर्जुनसंवादे
 अर्जुन उवाच
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रं

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 वासुदेवाय नमः
 श्रीगणेशाय नमः
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 वासुदेवाय नमः

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

23

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १ ॥

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ २ ॥

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ ३ ॥

॥ ४ ॥

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ ५ ॥

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ ६ ॥

॥ ७ ॥

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ ८ ॥

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ ९ ॥

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १० ॥

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ ११ ॥

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १२ ॥

॥ १३ ॥

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १४ ॥

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १५ ॥

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १६ ॥

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १७ ॥

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १८ ॥

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १९ ॥

[illegible]

[Faded handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता
 अर्जुनसंवादे
 अर्जुन उवाच ॥

[illegible]

卷之五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्री कृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥
 अर्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥

100

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीमद्भगवद्गीता
 अर्जुनसंवादे
 अर्जुन उवाच
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवा
 मामका पांडवयोश्च
 समं करिष्यामि
 धर्मं कुरुष्व

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
सुखं पश्यन्ति भक्त्युत
यस्यैव ॐ
नमो भगवते वासुदेवाय

सुखं पश्यन्ति भक्त्युत
यस्यैव ॐ
नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
सुखं पश्यन्ति भक्त्युत
यस्यैव ॐ
नमो भगवते वासुदेवाय

सुखं पश्यन्ति भक्त्युत
यस्यैव ॐ
नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
सुखं पश्यन्ति भक्त्युत
यस्यैव ॐ
नमो भगवते वासुदेवाय

सुखं पश्यन्ति भक्त्युत
यस्यैव ॐ
नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
सुखं पश्यन्ति भक्त्युत
यस्यैव ॐ
नमो भगवते वासुदेवाय

सुखं पश्यन्ति भक्त्युत
यस्यैव ॐ
नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीमद्भगवद्गीता
 अर्जुनसंवादे
 अर्जुन उवाच
 द्रुपदमुनिमुपसंगम्य
 तं ब्रूयतां मे त्वत्परां
 विदुषां तव आश्रितानां
 भवत्युत्तमं धर्ममाश्रयम्
 ॥ १ ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दूतं त्वं प्रह्लादं त्वत्पुत्रं ॥
 दत्तं त्वं त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं ॥
 दत्तं त्वं त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं ॥
 दत्तं त्वं त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं ॥

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 दत्तत्रयं नमस्कृत्य ॥
 यथाशक्तं पूजयेत् ॥
 तदा भगवत्पुत्रं ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
सुखं भवति सुखं भवति
यस्य भगवत्पदं पश्यति
वसुदेवम् ॥

नमो भगवते वासुदेवाय
सुखं भवति सुखं भवति
यस्य भगवत्पदं पश्यति
वसुदेवम् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
सुखं भवति सुखं भवति
यस्य भगवत्पदं पश्यति
वसुदेवम् ॥

नमो भगवते वासुदेवाय
सुखं भवति सुखं भवति
यस्य भगवत्पदं पश्यति
वसुदेवम् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
सुखं भवति सुखं भवति
यस्य भगवत्पदं पश्यति
वसुदेवम् ॥

नमो भगवते वासुदेवाय
सुखं भवति सुखं भवति
यस्य भगवत्पदं पश्यति
वसुदेवम् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
सुखं भवति सुखं भवति
यस्य भगवत्पदं पश्यति
वसुदेवम् ॥

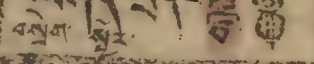
नमो भगवते वासुदेवाय
सुखं भवति सुखं भवति
यस्य भगवत्पदं पश्यति
वसुदेवम् ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा
पद्मनाभं नमस्कृत्य



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा
पद्मनाभं नमस्कृत्य



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा
पद्मनाभं नमस्कृत्य



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा
पद्मनाभं नमस्कृत्य

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा
पद्मनाभं नमस्कृत्य

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा
पद्मनाभं नमस्कृत्य

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा
पद्मनाभं नमस्कृत्य

卷之八

卷之四
 四庫全書
 禮記集說
 卷之四
 四庫全書
 禮記集說
 卷之四

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीमद्भगवद्गीता
 अर्जुनसंवादे
 अध्यायः १०

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्री कृष्णाय नमः ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥
 श्री लक्ष्म्याय नमः ॥
 श्री हनुमताय नमः ॥
 श्री रामाय नमः ॥
 श्री सीताय नमः ॥
 श्री लवणाय नमः ॥
 श्री कुशलाय नमः ॥
 श्री सुहृदाय नमः ॥
 श्री भगवते नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्री कृष्णाय नमः ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥
 श्री लक्ष्म्याय नमः ॥
 श्री हनुमताय नमः ॥

卷之三
 三
 三
 三

[illegible]

卷之六

[illegible][illegible][illegible][illegible]

पि'मिदुव'यस'यस'
श्रद्धा वसुधा सुखः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादनम् ॥
 अर्जुन उवाच ॥

天竺國名
摩訶摩訶
摩訶摩訶
摩訶摩訶
摩訶摩訶

卷之六

वसुधैव कुटुम्बकम्

[Faint, illegible handwritten text]

1740
 1741



2008

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीमद्भगवद्गीता
 अर्जुनसंवादे
 अर्जुन उवाच ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीमद्भगवद्गीता
 अर्जुनसंवादे
 अर्जुन उवाच
 द्रुपदमुनिमुपसंगम्य



১৩৩৩
 ১৩৩৩
 ১৩৩৩
 ১৩৩৩

A close-up photograph of a heavily damaged, aged piece of paper or parchment. The surface is covered in numerous dark, irregular stains and spots, suggesting water damage, mold, or severe discoloration. The texture appears rough and uneven.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 नमः शिवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्चनम् ॥

A close-up photograph of a page from an ancient manuscript. The page is filled with five lines of text written in a highly stylized, cursive script. The ink is dark, and the parchment is aged, showing a yellowish-brown color with some staining and wear. The script is dense and difficult to decipher, but it appears to be a form of early modern or medieval shorthand or a specific dialect. The lines of text are closely spaced and run horizontally across the page.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादनम् ॥
 ॥ १ ॥

[The page contains faint, illegible markings or bleed-through from another document.]

A black and white photograph of a book cover. The cover is decorated with a repeating pattern of stylized flowers and leaves. A small, circular, textured object, possibly a coin or a small mirror, is placed on the right side of the cover. The background is a light, textured surface.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥
 अध्यायः प्रथमः ॥
 अर्जुनसंवादे ॥
 अर्जुन उवाच ॥

卷之五
 五
 五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥
 अर्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥

This image shows a close-up of a page from an antique book, exhibiting severe water damage. The paper is a mottled, yellowish-brown color, with large, irregular brown stains that obscure much of the original text. The ink from the reverse side of the page is visible as dark, illegible markings bleeding through the paper. The overall texture appears rough and aged, with some areas of the paper missing or torn.

7
 6
 5
 4
 3
 2
 1

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥

卷之四
 四庫全書
 四庫全書
 四庫全書
 四庫全書

This image shows a close-up of a page from an ancient manuscript, featuring four lines of text in a highly stylized, cursive script. The ink is dark and the parchment is aged and discolored. The script is likely a form of Old Persian or Avestan. The text is arranged in four horizontal lines, with some characters appearing to be ligatures or highly stylized forms of letters. The overall appearance is that of a well-preserved but ancient document.

卷之六

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्री कृष्णाय नमः ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥
 श्री लक्ष्म्याय नमः ॥
 श्री भक्त्याय नमः ॥
 श्री श्रद्धाय नमः ॥
 श्री धैर्याय नमः ॥
 श्री प्रज्ञाय नमः ॥
 श्री अहिंसाय नमः ॥
 श्री सत्याय नमः ॥
 श्री दानाय नमः ॥
 श्री धर्माय नमः ॥
 श्री मोक्षाय नमः ॥
 श्री परमात्मने नमः ॥

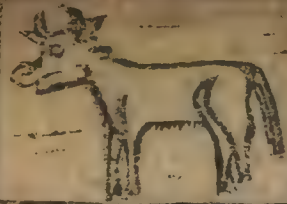
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532
 533
 534
 535
 536
 537
 538
 539
 540
 541
 542
 543
 544
 545
 546
 547
 548
 549
 550
 551
 552
 553
 554
 555
 556
 557
 558
 559
 560
 561
 562
 563
 564
 565
 566
 567
 568
 569
 570
 571
 572
 573
 574
 575
 576
 577
 578
 579
 580
 581
 582
 583
 584
 585
 586
 587
 588
 589
 590
 591
 592
 593
 594
 595
 596
 597
 598
 599
 600
 601
 602
 603
 604
 605
 606
 607
 608
 609
 610
 611
 612
 613
 614
 615
 616
 617
 618
 619
 620
 621
 622
 623
 624
 625
 626
 627
 628
 629
 630
 631
 632
 633
 634
 635
 636
 637
 638
 639
 640
 641
 642
 643
 644
 645
 646
 647
 648
 649
 650
 651
 652
 653
 654
 655
 656
 657
 658
 659
 660
 661
 662
 663
 664
 665
 666
 667
 668
 669
 670
 671
 672
 673
 674
 675
 676
 677
 678
 679
 680
 681
 682
 683
 684
 685
 686
 687
 688
 689
 690
 691
 692
 693
 694
 695
 696
 697
 698
 699
 700
 701
 702
 703
 704
 705
 706
 707
 708
 709
 710
 711
 712
 713
 714
 715
 716
 717
 718
 719
 720
 721
 722
 723
 724
 725
 726
 727
 728
 729
 730
 731
 732
 733
 734
 735
 736
 737
 738
 739
 740
 741
 742
 743
 744
 745
 746
 747
 748
 749
 750
 751
 752
 753
 754
 755
 756
 757
 758
 759
 760
 761
 762
 763
 764
 765
 766
 767
 768
 769

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
नमस्तस्मै श्रीकृष्णाय
श्रीगुरुभ्यो नमः

第一行：[Seal script characters]
 第二行：[Seal script characters]
 第三行：[Seal script characters]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीमद्भगवद्गीता
 अर्जुनसंवादे
 अर्जुन उवाच
 द्रुपद उवाच
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुतसः
 मामकाः पाण्डवाश्चैव
 त्रैलोक्यमहामनाः
 रमन्ते मां दैतयः



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 सुप्रसन्नचित्तोऽयं भगवत्पुत्रः
 मया यथाशक्ति पूजितः ॥
 अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीमद्भगवद्गीता
 अर्जुनसंवादे
 अर्जुन उवाच
 द्रुपदमुनिमुपसंगम्य
 त्वं प्रवक्ष्यस्व मे नमो
 त्वैवमेव शृणु

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्री कृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥

Handwritten text in Devanagari script, likely from a manuscript.

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥
 अध्याय १० ॥
 अर्जुनस्य
 वचनम् ॥
 ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 वासुदेवाय नमः
 श्रीगणेशाय नमः
 श्रीगणेशाय नमः
 श्रीगणेशाय नमः

卷之四
 四
 五
 六
 七
 八
 九
 十
 十一
 十二
 十三
 十四
 十五
 十六
 十七
 十八
 十九
 二十
 二十一
 二十二
 二十三
 二十四
 二十五
 二十六
 二十七
 二十八
 二十九
 三十
 三十一
 三十二
 三十三
 三十四
 三十五
 三十六
 三十七
 三十八
 三十九
 四十
 四十一
 四十二
 四十三
 四十四
 四十五
 四十六
 四十七
 四十八
 四十九
 五十
 五十一
 五十二
 五十三
 五十四
 五十五
 五十六
 五十七
 五十八
 五十九
 六十
 六十一
 六十二
 六十三
 六十四
 六十五
 六十六
 六十七
 六十八
 六十九
 七十
 七十一
 七十二
 七十三
 七十四
 七十五
 七十六
 七十七
 七十八
 七十九
 八十
 八十一
 八十二
 八十三
 八十四
 八十五
 八十六
 八十七
 八十八
 八十九
 九十
 九十一
 九十二
 九十三
 九十四
 九十五
 九十六
 九十七
 九十八
 九十九
 一百

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता
 अध्याय १०
 अर्जुनसंवादे
 अर्जुन उवाच ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीमद्भगवद्गीता
 अर्जुनसंवादे
 अर्जुन उवाच
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवा
 मामकाः पाण्डवाश्चैव
 तस्यैव कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवा
 मामकाः पाण्डवाश्चैव
 तस्यैव कुरुक्षेत्रे

大正十一年
 五月
 二十日
 午時

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीमद्भगवद्गीता
 अर्जुनसंवादे
 अर्जुन उवाच
 द्रुपदमुनिमुपसंगम्य

[illegible]

卷之四

१५६ कौमुदी

A close-up photograph of a heavily damaged, aged, light brown paper surface, likely an endpaper or flyleaf of a book. The paper is covered in numerous dark, irregular stains, spots, and tears, particularly concentrated along the right edge and bottom. The texture appears rough and brittle.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

一、
二、
三、
四、

一 卷之五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

पुनः पुनः पुनः पुनः पुनः पुनः पुनः पुनः

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच ।
पश्यैतां पाप्मानानां धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
एवाहं विराट् । मामका इह पश्यन्ति महाबली ।
मया सङ्घातमात्रेण क्षीयन्ते मया तदात्मने ।
सर्वपापप्रणाशके सर्वदुःखहरे । सर्वभूतहिते रते ।
उवाच मेधावती । शौनसे ! त्वं प्रवक्ष्यस्व मे ।
अनुविष्टोऽस्मि ते । यत्किञ्चित्करिष्यसे ।
सर्वपापप्रणाशके । सर्वदुःखहरे । सर्वभूतहिते रते ।
उवाच भगवान् । द्रुपद उवाच ।
सर्वपापप्रणाशके । सर्वदुःखहरे । सर्वभूतहिते रते ।

...
...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

天
下
之
事

一、
二、
三、
四、
五、
六、
七、
八、
九、
十、

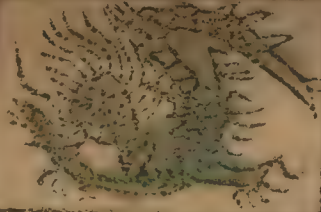
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥
 अर्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दूतमया श्रुतं त्वं धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता संजनाः प्रसूयतां महामथा ॥
 १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥
 अर्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
श्री कृष्णाय नमः
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[Faint, mostly illegible handwritten script]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता
 अध्याय १०
 अर्जुनसंवादे
 अर्जुन उवाच ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 यथा यमि विष्णुः स
 यथा यमि विष्णुः स
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following section contains several lines of handwritten text in Devanagari script, which appears to be bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥ १८ ॥

[illegible]

卷之六

255

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]